जीविका
ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार
बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति
राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बिहार
बिहार सरकार
विद्युत भवन – 2, बेली रोड, पटना – 800 021, दूरभाष: +91–612–250 4980, फैक्स: +91–612–250 4960, वेबसाइट: www.brlps.in

पत्रांक : BRLPS/Proc/665/14/3918 Date: 17.03.2021

कार्यालय आदेश

आगामी बिहार दिवस (22 मार्च) के अवसर पर जीविका सम्पोषित संगठनों, संगठन के सदस्यों और कर्मियों को ढेर सारी शुभकामनाएँ |

इस अवसर पर, माननीय मुख्यमंत्री बिहार द्वारा बिहार के विकास में जीविका दीदियों के योगदान को प्रमुखता से रखते हुए उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए एक पत्र निर्गत किया गया है|

जीविका दीदियों द्वारा किये गये कार्य जिनको पत्र के माध्यम से उल्लेखित कर माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा जीविका दीदियों और उनके द्वारा निर्मित स्वयं के योगदान को सराहा गया है, पत्र में निम्न बिन्दुओं को उल्लेखित किया गया है :

- बिहार की महिलाओं की मांग पर प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी (टोल फ्री नंबर- 18003456268)
- सरकारी योजनाओं में जीविका की भागीदारी और सदस्यों का जुडाव
- बिहार में महिलाओं का विभिन्न बैंकों से जुड़ाव
- जल-जीवन-हरियाली अंतर्गत पोखर एवं तालाबों में मछली पालन हेतु समूह सदस्यों को निःशुल्क उपलब्धता
- जीविकोपार्जन के आयामों में विविधता जैसे (i) दीदी की रसोई संचालन (ii) स्कूलों के छात्र/ छात्राओं के लिए पोशाक निर्माण
- विभिन्न कार्यक्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी
- महिलाओं के लिए आरक्षण, बालिका शिक्षा पर विशेष प्रोत्साहन हेतु क्षात्रवृत्तियों का प्रावधान

माननीय मुख्यमंत्री के पत्र को समुदाय के स्तर पर उपलब्ध कर, चर्चा कराने हेतु जीविका कार्यालयों और सामुदायिक संगठनों के स्तर पर निम्न कार्यों को सुनिश्चित किया जाएगा |

- जिला परियोजना क्रियान्वयन इकाई और प्रखण्ड परियोजना क्रियान्वयन इकाई के स्तर पर, बिहार दिवस के पूर्व, सभी कर्मियों को पत्र की प्रति उपलब्ध करा-कर जिला और प्रखण्ड स्तर पर वाचन, चर्चा कर एक साझा समझ बना कर, बिहार दिवस (22 मार्च) के अवसर पर सभी सामुदायिक संगठनों (SHG/ CLF/ VO) के स्तर पर उपर्युक्त बिन्दुओं पर चर्चा कर संगठनों के स्तर पर जागरूकता और जन-भागीदारी को बढ़ावा देने हेतु विशेष बैठक का आयोजन कर कार्यों को सुनिश्चित करना है |
- सामुदायिक संगठनों के स्तर पर सभी सदस्य / नेतृत्व कर्ता (Office Bearers) और कैडर को पत्र की प्रति उपलब्ध करा-कर बिहार दिवस (22 मार्च) के अवसर पर सभी सामुदायिक संगठनों (SHG/ CLF/ VO) के स्तर पर उपर्युक्त बिन्दुओं पर वाचन, चर्चा कर एक साझा समझ बना कर जागरूकता और जन-भागीदारी को बढ़ावा देने हेतु विशेष बैठक का आयोजन कर सदस्यों को प्रेरित करने का कार्य किया जाएगा|

महत्त्वपूर्ण बिंदु जिन पर अनिवार्य रूप से चर्चा कर विशेष बैठक के कार्यवाही पुस्तिका में दर्ज किया जाएगा :

- माननीय मुख्यमंत्री द्वारा प्रेषित पत्र में दर्ज महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं पर समझ तथा भविष्य की कार्यनीति |
- बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू करने हेतु सामुदायिक संगठनों की भूमिका और दायित्वा (टोल फ्री नंबर- 18003456268) |
- सत प्रतिशत (100%) बच्चों और बच्चियों का विद्यालयों में नामांकन करने हेतु दीदियों को प्रेरित करना और शिक्षा की महत्ता पर चर्चा |
- जल-जीवन-हरियाली अंतर्गत वृक्षारोपण, जल-संरक्षण, पर्यावरण-संरक्षण पर चर्चा और जीविकोपार्जन हेतु पोखर एवं तालाबों में मछली पालन के कार्यों की समूह सदस्यों को निःशुल्क उपलब्धता |
- जीविकोपार्जन के विभिन्न आयामों से सभी सदस्यों का जुड़ाव |

जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित कर, जिला परियोजना प्रबंधक (जीविका), प्रखण्ड-वार समूह सदस्यों की संख्या के अनुरूप, माननीय मुख्यमंत्री द्वारा जीविका दीदियों को संबोधित पत्र की प्रतिलिपि/ प्रिंट कॉपी, जिला जनसंपर्क अधिकारी (DPRO) के माध्यम से प्राप्त कर 22 मार्च को संगठनों (SHG/ VO/ CLF) के स्तर पर आयोजित की जाने वाली विशेष बैठक के पूर्व सभी प्रखण्ड में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे |

अनुलग्नक :

- माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा बिहार दिवस के अवसर पर जीविका दीदियों को संबोधित पत्र की प्रति

12/03/2024

(बालामुरुगन डी0)
सचिव ग्रामीण विकास विभाग -सह-
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जीविका

प्रतिलिपि:

- सभी जिला पदाधिकारी को सूचनार्थ प्रेषित |
- सभी जिला जनसंपर्क अधिकारी (DPRO) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित |
- निदेशक / परियोजना समन्वयक / सभी राज्य परियोजना प्रबंधक
- सभी जिला परियोजना प्रबंधक / प्रबंधक - सामाजिक विकास / प्रबंधक - संचार / विषयगत प्रबंधक
- सभी प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक

मुख्य मंत्री
बिहार

सभी जीविका दीदी को नमस्कार,

आपको बिहार दिवस की ढ़ेर सारी शुभकामनाएँ। बिहार की उन्नति और खुशहाली में आपका विशेष योगदान है, इसलिए बिहार दिवस के अवसर पर आपको धन्यवाद देते हुए मैं यह चिट्ठी लिख रहा हूँ।

मेरा हमेशा से मानना रहा है कि महिलाएँ जो हमारी आधी आबादी हैं उनकी जब तक सभी क्षेत्रों में हिस्सेदारी नहीं होगी तब तक बिहार और देश की प्रगति नहीं हो सकती। इसी बात को ध्यान में रखकर हम लोगों ने पिछले डेढ़ दशकों में महिलाओं की स्थिति को बेहतर करने के लिए अनेक काम किए।

2006 में हमने जीविका की शुरूआत की थी। उसी दिन तय किया था कि बिहार में 10 लाख जीविका समूहों का गठन हो। आज बिहार में 10 लाख से अधिक जीविका समूहों से करीब 1 करोड़ 20 लाख से ज्यादा महिलाएं जुड़ी हुई हैं। आपके लिए यह गौरव की बात है कि बिहार की जीविका दीदियों के काम से प्रभावित होकर 2011 में केंद्र सरकार ने भी आजीविका मिशन की शुरूआत की। सरकारी योजनाओं में जीविका की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कई नए पहल किये गये हैं। जीविका समूहों को जिला एवं अनुमण्डल अस्पतालों में मरीजों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने एवं सरकारी स्कूलों में छात्र/छात्राओं के लिए पोशाक तैयार कराने की जिम्मेदारी भी दी जा रही है। जल–जीवन–हरियाली के तहत बनाये गये पोखर एवं तालाबों को मछली पालन के लिए जीविका समूहों को निःशुल्क दिया जा रहा है।

बिहार में पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उन्हें इन संस्थाओं में 50 प्रतिशत का आरक्षण दिया जा रहा है। प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति में महिलाओं को 50 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया है। वर्ष 2013 से ही बिहार के पुलिस बल में महिलाओं को 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया जा रहा है और अब तक पुलिस में 23 प्रतिशत महिलाएँ हो गई है जो शायद ही किसी प्रान्त में हों। सभी सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण है। अब सात निश्चय–2 के तहत अविवाहित छात्राओं के इंटर पास करने पर 25 हजार तथा स्नातक करने पर छात्राओं को 50 हजार देने, महिलाओं में उद्यमिता विकास हेतु अनुदान देने तथा हर कार्यालय में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया है। आज बिहार में 76.7 प्रतिशत महिलाओं का अपना बैंक खाता है।

हमने शिक्षा के प्रति बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के लिए पोशाक एवं साइकिल योजना की शुरूआत की जिसके परिणाम सबके सामने है। मैट्रिक की परीक्षा में लड़के एवं लड़कियों की संख्या लगभग बराबर हो गई है। बिहार में प्रजनन दर तभी नियंत्रित होगा जब लड़कियाँ कम से कम इंटर तक पढ़ेंगी। लड़कियाँ इंटर तक की पढ़ाई कर सकें इसके लिए हर पंचायत में उच्च माध्यमिक विद्यालय की स्थापना की जा रही है। बिहार की महिलाओं की मांग पर हमने पूरे राज्य में शराबबंदी लागू करने जैसा चुनौतीपूर्ण फैसला लिया। इसका लाभ समाज के सभी लोगों खासकर महिलाओं एवं बच्चों को मिल रहा है। अब आप सबका यह दायित्व है कि शराबबंदी को लागू रखने के लिए पूरी तरह से सजग एवं सचेत रहें।

बिहार दिवस के अवसर पर मैं प्रदेश के विकास में आपके योगदान को पुनः दोहराते हुए आपको आश्वस्त करता हूँ कि राज्य की हर महिला बिहार की गौरव है। पूरे बिहार को आप पर गर्व है। बिहार के विकास में सबों को लगातार काम करने की जरूरत है। मेरा सपना है कि आपके सहयोग से हम सब मिलकर बिहार को सम्पन्न और विकसित राज्य बनायेंगे।

जय जीविका दीदी, जय बिहार।

आपका

(नीतीश कुमार)